Representation by Gujarat Re-rolling Mills Association

1940. **Shri C. C. Desai:**
Shri R. K. Amin:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether there was any represenation made by the Gujarat reroiling Mills Association on the 8th November, 1966 to the Chairman, Central Board of Excise and Customs, New Delhi in respect of excise duty on flats above 5 mm to 10 mm in thickness and over 10 mm in thickness; and

(b) if so, how Government propose to redress the grievances of the manufactures of rerolling mills in Gujarat in regard to higher excise duty on them while a lower duty is imposed on the same type of flats from large concerns?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) Yes, Sir.

(b) The Government have examined the matter and orders are likely to issue shortly.

छात्रों से चिकित्सा शुल्क

1941. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री भगवन्त सिंह कुशवाह :

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजधानी में स्कूलों तथा कालेजों के अधिकारियों द्वारा सभी विद्यार्थियों से चिकित्सा शुल्क लिया जाता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन छात्रों के माता-पिता अथवा अभिभावकों के, जो सरकारी नौकरी में हैं, मासिक वेतन से भी चिकित्सा शुल्क की राशि काट ली जाती है और इस प्रकार उन्हें दोहरा शुल्क देना पड़ता है;

(ग) यदि हां, तो चिकित्सा शुल्क की इस दोहरी वसूली को बन्द करने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है; और

(घ) ऐसे कितने छात्र हैं जिनके माता-पिता अथवा अभिभावक सरकारी नौकरी में हैं और जिन्हें चिकित्सा-शुल्क देना पड़ता है ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीमति सुशीला नायर) : (क) और (ख). केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना के अनुसार नई दिल्ली में रहने वाले प्रत्येक सरकारी कर्मचारी को इस योजना में सम्मिलित होना और निर्धारित अंशदान देना पड़ता है । इससे सरकारी कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा एवं उपचार की सुविधायें मिल जाती हैं । जहां तक स्कूल तथा कालेज के छात्रों से लिये जा रहे शुल्कों का प्रश्न है इस बारे में सूचना एकत्र की जा रही है और यथा समय सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

(ग) यह सूचना उपलब्ध नहीं है और यथा समय सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग का अध्यक्ष पद

1942. श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री एस० एम० जोशी :

क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्री केशव देव मालवीय के रिटायर होने के बाद कितने व्यक्तियों ने कितनी कितनी अवधि तक तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग के अध्यक्ष के पद पर काम किया,

(ख) क्या श्री मालवीय के रिटायर होने के बाद इस पद पर केवल सिविल सर्विस के अधिकारियों की नियुक्ति करने की प्रथा का पालन किया जा रहा है; और

(ग) यदि हां, तो इस आयोग के अध्यक्षों को बार-बार बदलने के क्या कारण हैं ?